01 / 02 / 80 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

सूक्ष्मवतन की कारोबार की अनुभूति

➢➢ मैं आत्मा स्वयं को सूक्ष्मवतन में देख रही हूँ। भावविभोर हो कर बापदादा से मिल रही हूँ।

➳ _ ➳ मैं कितनी भाग्यवान हूँ , स्वयं भाग्यविधाता बाप मुझसे मिल रहे है।

→ बापदादा मेरी भावना और स्नेह को देख खुश हो रहे है।

→ एकरस स्टेज

→ सूक्ष्म वतन में भिन्न भिन्न स्टेजेज का स्पष्ट साक्षात्कार

→ लाइट का वतन

→ भावना और प्रेम से सहज ही बाप के नज़दीक होने की महसूसता हो रही है।

- भोलानाथ बाप के प्यारे, बापदादा के सदा समीप
- प्रेम स्वरूप
- नॉलेज स्वरूप
- लव और लवफुल
- स्नेह और शांति स्वरुप

➢➢ विशेष सूक्ष्मवतन की कारोबार शुद्ध संकल्पो के आधार पर चल रही है।

➳ _ ➳ वायरलेस और वाइसलेस

→ गायन भी है ब्रह्मा ने संकल्प किया और सृष्टि रची

→ संकल्प किया और इमर्ज हुआ

→ मर्ज और इमर्ज का खेल चल रहा

→ इशारे की रूप देखा दिख रही, विशेष आकारी रूप की कारोबार मनोबल कहे या संकल्प कहे इसी आधार पर चलती दिख रही है।

→ संकल्प का स्विच ऑन करते ही सब इमर्ज हो रहा है।

- यहाँ तीनो लोक तक वाइसलेस की शक्ति द्वारा कनेक्शन हो रहा है।
- बिलकुल रिफाइन बुद्धियोग
- सबसे पावरफुल तार... महीन और सर्व सम्बन्धो की सार वाली याद से संकल्प सूक्ष्मवतन तक पहुँच रहे है।
- सारे कल्प के अंदर सूक्ष्मवतन की रौनक भी अभी ही है।

➢➢ सूक्ष्मवतन की बहुत ही सुंदर अनुभूति हो रही है।

➳ _ ➳ सूक्ष्मवतन के अनुभव का सम्बंध ब्रह्मा और ब्राह्मण का ही है।

→ वाहः मेरा भाग्य वाहः

→ सूक्ष्मवतन हमारा घर

→ ब्रह्मा बाप का स्थान सो हमारा स्थान

→ सूक्ष्मवतन के स्विचों का अनुभव, मिलने का अनुभव, बहलाने का अनुभव कर रही हूँ।

- संकल्प शक्ति से समीपता का अनुभव
- निद्राजीत का गुण
- सेवा में अच्छे सहयोगी
- जी हाजर और जी हुजूर का पार्ट
- बापदादा के विशेष याद प्यार की अनुभूति करा रही है।